



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 43] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 24, 1981 (कार्तिक 2, 1903)
No. 43] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 24, 1981 (KARTEKA 2, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह खलस संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधिक प्रादेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	707
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1379
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और प्रसाधिक प्रादेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	---
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	1421
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II—खंड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए सामान्य साधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के प्रादेश और उपविधियाँ आदि भी शामिल हैं)	2171
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए साधिक प्रादेश और अधिसूचनाएं	3359
भाग II—खंड 3 (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य साधिक नियमों और साधिक प्रादेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियाँ भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	643
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए साधिक नियम और प्रादेश	401
भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महासेवा परीक्षक संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और असंबद्ध कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	11991
भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	557
भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	---
भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें साधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, प्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2679
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	205
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में अन्य और मूल्य आदि के आंकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	*

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	707	PART II—SECTION 3(iii).—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in section 3 or section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules and Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	643
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	1379	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	401
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Resolutions and non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	11991
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1421	III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	557
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	
PART II—SECTION I-A.—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	267
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of the Select Committees on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	205
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2171	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	3359		

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1980

आदेश

सं० 8/24/80/एयू/ईसीए/बीओएम/3147—सर्वश्री राजेन्द्र इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, एक्सी इन्डस्ट्रियल एस्टेट, बन्कर रोड, सीवरी, बम्बई-400015 को निम्नलिखित लाइसेंस जिनका न्यौरा नीचे दिया जा रहा है जारी किए गए थे:—

क्रम सं०	लाइसेंस संख्या और	दिनांक	रुपयों में मूल्य
(1)	पी/एस/1924186	दिनांक 28-11-79	43,40,378/- रु० मेन स्पॉलिट अप
(2)	पी/एस/1924402	दिनांक 20-12-79	10,00,000/- रु० "
(3)	पी/एस/1924403	दिनांक 20-12-79	10,00,000/- रु० "
(4)	पी/एस/1924404	दिनांक 20-12-79	9,06,340/- रु० "
(5)	पी/एस/1924405	दिनांक 20-12-79	5,00,000/- रु० "
(6)	पी/एस/1924406	दिनांक 20-12-79	5,00,000/- रु० "

2. तत्पश्चात्, एक कारण बताओ नोटिस सं० 8/24/90/एयू/ईसीए/बीओएम/दिनांक 8-5-1980 उनसे यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उन्हें जारी किए गए उक्त लाइसेंस इस आधार पर क्यों न रद्द कर दिए जाएं कि उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस तथ्यों के मिथ्या निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किए हैं जैसाकि इस तथ्य से प्रकट होता है कि वे अपने दावे के अनुसार 43,40,378/- रु० के आयातित माल के उपभोग के रिकार्ड को प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे हैं और खंड 9, उपखंड (ए) और (सीसी) के अनुसार उनसे वह उद्देश्य पूरा नहीं होगा जिसके लिए वे जारी किए गए हैं।

3. उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के प्रत्युत्तर में सर्वश्री राजेन्द्र इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, बम्बई-400015 ने अपने विरुद्ध लगाए गए अभियोगों के विरोध में कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया था। उनको 20-5-1980 और 29-9-1980 को जो व्यक्तिगत सुनवाई प्रदान की गई थी उसका भी उन्होंने लाभ नहीं उठाया।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले को ध्यानपूर्वक जांच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि (क) फर्म ने लाइसेंस तथ्यों के गलत निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किए हैं क्योंकि वे कारण बताओ नोटिस में दिए गए अभियोगों के विरुद्ध कोई साक्ष्य अथवा कोई बचाव प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे हैं।

5. पिछले पैराग्राफ में जो कुछ कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावकारी कर दिए जाएं। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड-9 उप-खंड (ए) और (सीसी) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा सर्वश्री राजेन्द्र इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन, बम्बई-400015 को जारी किए गए निम्नलिखित लाइसेंस रद्द करता है:—

क्रम सं०	लाइसेंस सं० एव	दिनांक	मूल्य रुपयों में
(1)	पी/एस/1924186	दिनांक 28-11-79	43,40,378/- रु० मेन स्पॉलिट अप
(2)	पी/एस/1924402	दिनांक 20-12-79	10,00,000/- रु० "
(3)	पी/एस/1924403	दिनांक 20-12-79	10,00,000/- रु० "
(4)	पी/एस/1924404	दिनांक 20-12-79	9,06,340/- रु० "
(5)	पी/एस/1924405	दिनांक 20-12-79	5,00,000/- रु० "
(6)	पी/एस/1924406	दिनांक 20-12-79	5,00,000/- रु० "

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णयों से संतुष्ट न हों तो वे यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 के खंड 10(2) के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली को आदेश की तिथि से 45 दिनों के भीतर अपील दाखिल कर सकते हैं जैसाकि भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66, दिनांक 10-11-1966 और अन्तिम रूप में संशोधित वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 77/66, दिनांक 20-8-76 में विनिर्दिष्ट है। 1980-81 की आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हंडबुक में अपील दाखिल करने की क्रियाविधि दी गई है।

सर्वश्री राजेन्द्र इन्डस्ट्रियल कार्पोरेशन,
एकमी. इन्डस्ट्रियल एस्टेट, बन्दर रोड,
सीवरी, बम्बई-400015

दिनांक 4 फरवरी 1981

आदेश

सं० एफ 3/33/80/एयू/ईसीए/बीओएम/681—सर्वश्री ग्रीन स्टार इंजीनियरिंग कं०, वुलन मिल कम्पाउंड, अम्बरनाथ, जिला थाना को अन्तिम उत्पाद के लिए एकक द्वारा अपेक्षित अप्रैल-मार्च 80, अप्रैल-मार्च 81 की नीति पुस्तक के परिशिष्ट-7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए लाइसेंस सं० पी/एस/1925577, दिनांक 12-7-80, पी/एस/1925533 दिनांक 20-6-80 और पी/एस/1924313 दिनांक 12-12-79 क्रमशः 74,32,442/- रु० 68,25,735/- रु० और 19,54,500/- रु० मूल्यों के लिए इस शर्त के अधीन जारी किए गए थे कि आयातित माल का उपयोग लाइसेंसधारी के कारखाने में किया जाएगा।

2. तत्पश्चात्, एक कारण बताओ नोटिस सं० एफ 3/33/80/एयू/ईसीए/बीओएम/4365, दिनांक 24-12-80 उनसे यह पूछते हुए जारी किया गया कि 15 दिनों के भीतर इसका कारण बताए कि उन्हें जारी किए गए उक्त लाइसेंस खंड-9 उप-खंड (ए) और (सीसी) के अनुसार इस आधार पर क्यों न रद्द कर दिए जाएं कि उनके कारखाने का निरीक्षण करने पर यह पाया गया कि कारखाने में कार्य नहीं हो रहा था और सुअवसर देने के बावजूद भी वे आयातित माल के उपभोग का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके हैं।

3. सर्वश्री ग्रीन स्टार इंजीनियरिंग कं०, अम्बरनाथ जिला थाना ने इस कार्यालय के कारण बताओ नोटिस सं० एफ 3/33/80/एयू/ईसीए/बीओएम/4365 दिनांक 24-12-80 का अब तक उत्तर नहीं दिया है और 6-1-1981 को उनको जो व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया था उसका भी उन्होंने लाभ नहीं उठाया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने ध्यानपूर्वक मामले की जांच कर ली और इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि इस कार्यालय के कारण

बताओ नोटिस दिनांक 24-12-80 के उत्तर में फर्म के पास अपने बचाव के लिए कोई तर्क नहीं है और उपर्युक्त लाइसेंस उन्होंने तथ्यों के मिथ्या निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किया था और उनसे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा जिनके विषयाधीन लाइसेंस उन्हें जारी किए गए थे।

5. पिछले पैराग्राफ में जो कुछ कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिये जाएं या अन्यथा रूप से अप्रभावकारी कर दिये जाएं। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 9 उप-खंड (ए) और (सीसी) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री ग्रीन स्टार इंजीनियरिंग कं०, अम्बरनाथ जिला थाना को जारी किए गए 74,32,442/- रुपये के लाइसेंस सं० पी/एस/1925577 दिनांक 12-7-80, 68,25,735/- रुपये के लाइसेंस सं० पी/एस/1925533 दिनांक 20-6-80 और 19,54,500/- रुपये के लाइसेंस सं० पी/एस/1924313 दिनांक 12-12-79 को एतद् द्वारा रद्द करता है।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट न हों तो यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 10 (2) के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर नियंत्रक आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली को इस आदेश की तिथि से 45 दिनों के भीतर एक अपील दाखिल करें जैसाकि भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66, दिनांक 10-11-66 और देखिए अन्तिम रूप में यथा संशोधित वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 17/76, दिनांक 20-8-76 में विनिर्दिष्ट किया गया है। आयात-निर्यात नियंत्रण नियम तथा क्रिया विधि हंडबुक 1980-81 के पैरा 265 में अपील करने की क्रियाविधि दी गई है।

दिनांक 10 फरवरी 1981

आदेश

सं० एफ 3/46/80/ईसीए/बीओएम/908—सर्वश्री ऑटोकोम इन्डस्ट्रीज, प्लॉट नं० 122 ए रोड नं० 8 वागले इन्डस्ट्रियल एस्टेट, थाने 4 को एकक द्वारा अपेक्षित अन्तिम उत्पाद के लिए अप्रैल-मार्च 1980 की नीति पुस्तक के परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए 9,72,850/- रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/ 1924584 दिनांक 6-2-1980 इन शर्तों के अधीन जारी किया गया था कि आयातित सामग्री का उपयोग लाइसेंसधारी के कारखाने में किया जाएगा।

2. तत्पश्चात् एक कारण बताओ सूचना सं० एफ 3/46/80/ईसीए/ बीओएम/2892 दिनांक 23/29-10-80 उनसे यह पूछते हुए जारी जारी की गई थी कि 15 दिनों

के भीतर यह कारण बताए कि उन्हें जारी किया उक्त लाइसेंस खंड 9, उप-खंड (क) और (ख) के अन्तर्गत इस आधार पर क्यों न रद्द किया जाय कि उन्होंने अप्रैल-मार्च 1980 के अपने आवेदन-पत्र के प्रपत्र दिनांक 27-10-79 के भाग-3 के कालम 4(3) में मिथ्या घोषणा की है कि उन्होंने 1978-79 अवधि के लिए एयू-लाइसेंस कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के लिए प्राप्त किया है और उनका मामला 1979-80 की आयात नीति के अध्याय 6 के पैरा 42 के अन्तर्गत नहीं आता है।

3. सर्वश्री ऑटोकॉम इन्डस्ट्रीज, थाना-4 ने न तो अभी तक इस कार्यालय को कारण बताओ सूचना 23/29-10-80 का उत्तर दिया है और न ही उन्होंने 17-11-80 को उनके लिए प्रदान किए गए व्यक्तिगत सुनवाई की सुविधा का उपयोग ही किया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की ध्यानपूर्वक जांच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि फर्म को कारण बताओ सूचना दिनांक 23/29-10-80 के प्रत्युत्तर में अपनी आत्मरक्षा के लिए इस कार्यालय को कुछ नहीं कहना है और यह कि उनके द्वारा उक्त लाइसेंस मिथ्या निरूपण एवं जालसाजी से प्राप्त किया गया है।

5. पूर्व की कड़िका में जो कुछ भी कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावकारी कर दिया जाना चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 9, उप-खंड (क) और (ख) के अन्तर्गत उसके लिए प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए सर्वश्री ऑटोकॉम इन्डस्ट्रीज, प्लॉट नं० 122 ए, रोड नं० 8, वेमल इन्डस्ट्रियल एस्टेट, थाना-4 को जारी किए गए 9,72,850/-रूपये के लाइसेंस सं० पी/एस/1924584 दिनांक 6-2-80 को एतद् द्वारा रद्द करता है।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं तो वे समय-समय पर यथासंशोधित भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66 दिनांक 10-11-66 में विनिर्दिष्ट किए गए के अनुसार हैं और देखिए वाणिज्य मंत्रालय की अन्तिम संशोधित अधिसूचना सं० 17/76 दिनांक 20-8-76 के अनुसार यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 10-(2) के अन्तर्गत आदेश की तिथि से 45 दिनों के भीतर समर्थ प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात उद्योग भवन, नई दिल्ली को एक अपील दाखिल कर सकते हैं। अपील दाखिल करने की क्रियाविधि 1980-81 की आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैडबुक की कड़िका 265 में निहित है।

दिनांक 20 फरवरी 1981

आदेश

मि० सं०-3/47/80/एयू/ईसीए/ बम्ब/1240/—सर्वश्री अजन्ता इन्जीनियरिंग वर्क्स प्लॉट नं० ए-200, रोड नं०-29, वागले इण्डस्ट्रियल इस्टेट, थाना-4 को अप्रैल, मार्च-1980 की आयात नीति पुस्तक के परिशिष्ट-17 में दर्शाई गई मदों और एकक द्वारा अपेक्षित अन्तिम उत्पादों के लिए 9,80,6000/-रूपये का आयात लाइसेंस संख्या-पी/एस/1924157, दिनांक 26-11-79 इस शर्त के अधीन प्रदान किया गया था कि उपर्युक्त लाइसेंस के मद्दे आयातित मदों का उपयोग लाइसेंसधारी की फैक्टरी में ही किया जाएगा।

2. इसके बाद एक कारण बताओ नोटिस नं० एफ-3 47/80/एयू/ईसीए/बम्ब/3144, दिनांक 15-11-80 यह पूछते हुए जारी किया गया कि वे 15 दिन के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए लाइसेंस की धारा 9, उप-धारा (क) एवं (ख) की शर्तों के अनुसार इस आधार पर रद्द क्यों न कर दिया जाए, कि इस कार्यालय की अप्रैल-मार्च 1980 अवधि के लिए आयात लाइसेंस प्रदान करने के लिए 29-10-79 को दिए गए आवेदन पत्र के भाग 3, कालम 4(3) में झूठा घोषणा पत्र दिया है और उन्होंने 1978-79 की लाइसेंस अवधि के लिए कच्चा माल संघटक और उपभोग्य के लिए वास्तविक उपभोक्ता लाइसेंस प्राप्त किया है और उनका मामला आयात नीति 1979-80 के अध्याय-6 पैरा 42 के अन्तर्गत नहीं आता है। उन्होंने उपर्युक्त झूठे घोषणा पत्र के आधार पर उपर्युक्त लाइसेंस प्राप्त किया है।

3. सर्वश्री अजन्ता इन्जीनियरिंग वर्क्स थाना-4 ने न तो उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया है और न ही उन्होंने 22-12-1980 को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिए गए अवसर का लाभ उठाया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने सावधानीपूर्वक मामले की जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस के प्रत्युत्तर में उनके पास अपने बचाव के लिए कोई तर्क नहीं है। और इस प्रकार उन्होंने अभात्मक तथ्यों द्वारा उक्त लाइसेंस प्राप्त किया है।

5. पिछले पैराग्राफ में जो कुछ कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस को रद्द कर दिया जाना चाहिए या अप्रभावी कर दिया जाना चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9, उप-धारा (क) एवं (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद् द्वारा, सर्वश्री अजन्ता इन्जीनियरिंग वर्क्स, थाना-4 के नाम में 9,80,600/-रूपये के लिए जारी किए गए लाइसेंस संख्या पी/एस/1924157, दिनांक 26-11-79 को रद्द करता है।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट न हों तो यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 10(2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली को आदेश की तिथि से 45 दिनों के भीतर अपील कर सकते हैं जैसा कि भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित और अन्तिम रूप से संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66 दिनांक 10-11-66 में निर्धारित किया गया है देखिए वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 17/76 दिनांक 20-8-76। आयात व्यापार नियंत्रण नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक 1980-81 के पैरा 265 में अपील दायर करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

दिनांक 21 फरवरी 1981

आदेश

सं० एफ 8/39/80/ईसीए/बम्बई-1253—सर्वश्री बी के मेटल फैब्रिक इन्जीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 12-क, चाप्सी भीमजी रोड, अंजीरवादी, बम्बई-400010 द्वारा अन्तिम उत्पाद के लिए अपेक्षित और अप्रैल-मार्च 1981 की आयात नीति के परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए 41,27,786/-रुपए का लाइसेंस सं० पी/एस/1924536, दिनांक 28-1-1981 इस शर्त के अधीन जारी किया गया था कि आयातित माल का उपयोग लाइसेंसधारी की फैक्टरी में उस अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए किया जाएगा जिसके लिए विषयाधीन लाइसेंस जारी किया गया था।

2. इसलिए एक कारण बताओ नोटिस नं० एफ 8/39/80/ईसीए/बम्बई/324 दिनांक 16-1-1981 यह पूछते हुए जारी किया गया कि 15 दिन के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए लाइसेंस की धारा 9 उप-धारा (क) एवं (ख) की शर्तों के अनुसार इस आधार पर रद्द क्यों न कर दिया जाए कि उक्त लाइसेंस मिथ्या निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किया गया है।

3. सर्वश्री बीके मेटल फैब्रिक इन्जीनियरिंग इंडस्ट्रीज, बम्बई से उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस “कोई नहीं मिला” इस अभ्युक्ति के साथ डाकघर से वापिस मिला। जबकि पार्टी ने दिए गए व्यक्तिगत सुनवाई के अवसर का भी लाभ नहीं उठाया।

4. अधोहस्ताक्षरी ने सावधानीपूर्वक मामले की जांच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उपर्युक्त फर्म के पास दिनांक 16-1-81 के कारण बताओ नोटिस में उस पर लगाए गए आरोपों के बचाव के लिए कोई जवाब नहीं है। अन्य शब्दों में उपर्युक्त लाइसेंस तथ्यों के मिथ्या निरूपण से प्राप्त किया गया है।

5. पिछले पैराग्राफ में जो कुछ कहा गया है इसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी इस बात से संतुष्ट है कि विषया-

धीन लाइसेंस रद्द कर दिया जाना चाहिए या अप्रभावी कर दिया जाना चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 9, उप-धारा (क) एवं (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा सर्वश्री बीके मेटल फैब्रिक इन्जीनियरिंग इंडस्ट्रीज, बम्बई-400010 के नाम में जारी किए गए आयात लाइसेंस पी/एस/1924536 दिनांक 28-1-80 मूल्य 41,27,786/-रुपए को रद्द करता है।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट न हों तो यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की धारा 10(2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली को आदेश की तिथि से 45 दिन के भीतर अपील दाखिल कर सकते हैं जैसा कि भारत सरकार वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित और अन्त में संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना संख्या 12/66 में निर्धारित किया गया है देखिए वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 17/76 दिनांक 20-8-76। आयात व्यापार नियंत्रण नियम एवं क्रियाविधि पुस्तक 1980-81 के पैरा 265 में अपील दायर करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

दिनांक 23 फरवरी 1981

आदेश

सं० एफ 3/66/80/एयू/ईसी ए/बाम्बे/1292—सर्वश्री राधा सेल्स कार्पोरेशन, खिनजिनी, डाकघर बू, ताल्लुका-राजापुरा, जिला रत्नागिरि को एकक द्वारा अपेक्षित अन्तिम उत्पाद के लिए अप्रैल-मार्च 81 की नीति पुस्तक के परिशिष्ट 7 में दर्शाई गई मदों के आयात के लिए 5,77,380/- रुपए मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1925783 दिनांक 5-8-80 इन शर्तों पर जारी किया गया था कि आयातित माल लाइसेंसधारी के कारखाने में उस अन्तिम उत्पाद के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाया जाएगा जिसके लिए विषयाधीन लाइसेंस जारी किया गया है।

2. तत्पश्चात् एक कारण बताओ नोटिस सं० एफ 3/66/80/एयू/ईसीए/बाम्बे/4369 दिनांक 24-12-80 उनसे यह पूछते हुए जारी किया गया कि पन्द्रह दिनों के भीतर कारण बताएं कि उन्हें जारी किया उक्त लाइसेंस खंड-9, उप-खंड (ए) (सी सी) के अन्तर्गत इस आधार पर क्यों न रद्द कर दिया जाए कि उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस तथ्यों के गलत निरूपण और धोखे-बाजी से प्राप्त किया है और वह उस उद्देश्य को पूरा नहीं करेगा जिसके लिए प्रदान किया गया है।

3. सर्वश्री राधा सेल्स कार्पोरेशन, ताल्लुका-राजापुरा, जिला रत्नागिरि को जारी किया गया उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस डाकघर से वापस प्राप्त हो गया है और पार्टी ने व्यक्तिगत सुनवाई के अवसर का भी लाभ नहीं उठाया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने ध्यानपूर्वक मामले की जांच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उपर्युक्त फर्म विद्यमान नहीं है और उन्होंने उक्त लाइसेंस तथ्यों के मिथ्या निरूपण और धोखे-बाजी से प्राप्त किया है।

5. पूर्वोक्त पैराग्राफ में जो कुछ भी कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर देना चाहिए या अन्यथा रूप से अप्रभावकारी कर देना चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 के खंड-9 उप-खंड (ए) और (सी० सी०) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा सर्वश्री राधा सेल्स कार्पोरेशन, ताल्लुका-राजापुर, जिला रत्नागिरि को 5,77,380/- रुपये मूल्य के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1925783, दिनांक 5-8-80 रद्द करते हैं।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट नहीं तो वे यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 10(2) के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली से इस आदेश की तिथि से 45 दिनों के भीतर अपील दाखिल कर सकते हैं जैसा कि भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा-संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66, दिनांक 10-11-66 और अन्तिम संशोधन वाणिज्य मंत्रालय अधिसूचना सं० 17/76, दिनांक 20-8-76 में निर्दिष्ट किया गया है। 1980-81 की आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हेतु नुक के पैराग्राफ 265 में अपील दाखिल करने की क्रियाविधि दी गई है।

दिनांक 29 मार्च 1981

आदेश

सं० एफ-8/24/80/एयू/ई० सी० ए०/बी० ओ० एम०/1796
—सर्वश्री राजेन्द्र इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, एफसी इंडस्ट्रियल एस्टेट, बंवर रोड, सीवरी (पूर्वी) को अन्तिम उत्पाद के लिए अपेक्षित अप्रैल-मार्च 81 की नीति पुस्तक के परिशिष्ट 7 में वर्णित गैर मर्च के आयात के लिए 42,79,162/- रु० मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी०/एस०/1925999 दिनांक 6-10-80 इन शर्तों के अधीन जारी किया गया था कि उक्त लाइसेंस के मद्दे आयातित माल लाइसेंसधारी के कारखाने में उपयोग किया जाएगा।

2. तत्पश्चात् एक कारण बताओ नोटिस सं० एफ 8/24/80/ए यू०/ई० सी० ए०/बी० ओ० एम०/दिनांक 31-1-81 उनसे यह पूछते हुए जारी किया गया था कि 15 दिनों के भीतर कारण बताइए कि उन्हें जारी किया गया उक्त लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 9 उप-खंड (क) और (ग) के अनुसार इस आधार पर क्यों न रद्द कर दिया जाए कि उपर्युक्त लाइसेंस उन्होंने तथ्यों के मिथ्या निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किया है और उससे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा जिसके लिए विषयाधीन लाइसेंस जारी किया गया था।

3. सर्वश्री राजेन्द्र इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, बम्बई ने अब तक कारण बताओ नोटिस दिनांक 31-1-1981 का उत्तर नहीं दिया है और न ही उन्होंने 18-2-81 और उसके बाद की तिथियों को दी गई व्यक्तिगत सुनवाई का लाभ उठाया है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की ध्यानपूर्वक जांच कर ली है और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उन्हें इस मामले में किसी भी बचाव के लिए आवेदन नहीं करना है और उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस तथ्यों के मिथ्या निरूपण और जालसाजी से प्राप्त किया था और उससे वह प्रयोजन सिद्ध नहीं होगा जिसके लिए वह उन्हें प्रदान किया गया था।

5. पिछले पैराग्राफ में जो कुछ कहा गया है उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द कर दिया जाए अथवा अन्यथा रूप से अप्रभावकारी कर दिया जाए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी, आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 के खंड 9, उप-खंड-(क) और (ग) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री राजेन्द्र इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन बम्बई को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/एस०/1925999 दिनांक 6-10-80 मूल्य 42,79,162/- रु० को एतद्वारा रद्द करता है।

6. यदि वे उपर्युक्त निर्णय से संतुष्ट नहीं तो यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खंड 10(2) के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी अर्थात् अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, उद्योग भवन, नई दिल्ली को 45 दिनों के भीतर एक अपील दाखिल कर सकते हैं जैसा कि भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित आयात व्यापार नियंत्रण अधिसूचना सं० 12/66, दिनांक 10-11-66 और अन्तिम रूप से संशोधित वाणिज्य मंत्रालय की अधिसूचना सं० 17/76 दिनांक 20-8-76 में निर्दिष्ट है। अपील दाखिल करने के लिए क्रियाविधि 1980-81 की नियम तथा क्रियाविधि पुस्तक में दी गई है।

डी० के० खोसला,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1981

सं० एफ 1-1/80-ए० जी० सी० (1)—शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय के दिनांक 4 अगस्त, 1980 के संकल्प संख्या एफ 1-2/80-ए० जी० सी० (डी० IV) के अनुसरण में जिसमें एशियाई खेल 1982 के लिए संचालन समिति का पुनर्गठन किया गया है, खेलों के समन्वयक श्री के० टी० सतारवाला को तत्काल से संचालन समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है।

एस० सत्यम, संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1981

सं० एफ० 18-6/81-य०-5 (पार्ट) — भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की नियमावली और संस्था शापन-पत्र के नियम 3, 6 और 8 के अन्तर्गत प्रो० बी० एच० कृष्णमूर्ति, भाषा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद को तत्काल से 31 मार्च, 1984 तक की अवधि के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है ।

एम० आर० कोल्हटकर, संयुक्त सचिव

सिंचाई मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1981

संकल्प

सं० 47(16)/78-बा० नि०—गंगा बाढ़ नियंत्रण बोर्ड के गठन के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के संकल्प सं० बा० नि० 47(16)/78, दिनांक 20 मई, 1978, सं० बा० नि०-47(16)/78, दिनांक 15 मार्च, 1979, और सं० बा० नि०-47(5)/80 दिनांक 18 जुलाई, 1981 के वर्तमान उप-पैरा 2 के स्थान पर निम्नलिखित उप-पैरा प्रतिस्थापित किया जाए :—

“बोर्ड में निम्नलिखित शामिल होंगे :—

- | | |
|---|-------------|
| 1. केन्द्रीय सिंचाई मंत्री | अध्यक्ष |
| 2. केन्द्रीय वित्त मंत्री | सदस्य |
| 3. केन्द्रीय सिंचाई राज्य मंत्री | सदस्य |
| 4. केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री | सदस्य |
| 5. बिहार के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 6. उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 7. पश्चिम बंगाल के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 8. हरियाणा के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 9. राजस्थान के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 10. मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 11. हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 12. उप राज्य पाल, दिल्ली प्रशासन अथवा उनके प्रतिनिधि | सदस्य |
| 13. अध्यक्ष, गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग | सदस्य-सचिव” |

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारों, दिल्ली प्रशासन और केन्द्रीय वित्त, योजना, रेल

तथा परिवहन मंत्रालयों, प्रधान मंत्री के कार्यालय, राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिव और भारत के नियंत्रक तथा महा लेखा परीक्षक को भेजी जाए ।

एन० एल० मन्त्रन, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1981

संकल्प

सं० ई० आर० बी० 1/80/21/73—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के 5-2-1981 तथा 13-5-1981 के संकल्प सं० ई० आर० बी० 1/80/21/73 के क्रम में भारत सरकार ने निम्नलिखित को भी यात्री सुविधा समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत किया है :—

श्री अजय कुमार त्रिवेदी,
मुहल्ला, हमीदगंज,
हाल्टनगंज
जिला—पल्लम,
बिहार ।

हिम्मत सिंह, सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं पदेन संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1981

संकल्प

सं० डी० जी० ई० टी०-12/21/80-टी० सी०—राष्ट्रीय वृत्तिक व्यवसाय प्रशिक्षण परिषद् की 28 मार्च, 1981 को हुई अपनी 18वीं बैठक में की गई सिफारिश तथा भारत सरकार द्वारा स्वीकार की गई सिफारिश के अनुसरण में यह निर्णय लिया गया है कि भारत सरकार, श्रम मंत्रालय (रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय) संकल्प सं० टी० आर०/ई० पी०/24/58, दिनांक 24 अगस्त, 1956 द्वारा स्थापित किए गए “राष्ट्रीय वृत्तिक व्यवसाय प्रशिक्षण परिषद्” को “राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद्” कहा जाए । अतः उक्त संकल्प में उल्लिखित नाम “राष्ट्रीय वृत्तिक व्यवसाय प्रशिक्षण परिषद्” के नाम को “राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद्” के नाम से पढ़ने के लिए प्रतिस्थापित किया जाए ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धित पक्षों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए ।

के० एस० बरोई,
उप सचिव

OFFICE OF THE JT. CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

Bombay, the 15th November 1980

ORDER

No. 8/24/80/AU/ECA/Bom./3147.—The following licences particulars of which are given below :—

*Sr. No., Licence No. & Date**Value in Rs.*

(1) P/S/1924186 dt. 28-11-79	Rs. 43,40,378/-	Main.
(2) P/S/1924402 dt. 20-12-79	Rs. 10,00,000/-	Split up.
(3) P/S/1924403 dt. 20-12-79	Rs. 10,00,000/-	Split up.
(4) P/S/1924404 dt. 20-12-79	Rs. 9,06,340/-	Split up.
(5) P/S/1924405 dt. 20-12-79	Rs. 5,00,000/-	Split up.
(6) P/S/1924406 dt. 20-12-79	Rs. 5,00,000/-	Split up.

were issued to M/s. Rajendra Industrial Corporation, Acme Industrial Estate, Bunder Road, Sewerec, Bombay-400015.

2. Thereafter, a show cause notice No. 8/24/90/AU/ECA/Bom. dated 8-5-1980 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they obtained the aforesaid licences by misrepresentation of fact and fraud as revealed by the fact that they failed to produce the record of consumption of imported materials claimed by them for Rs. 43,40,378 and that the same will not serve the purpose for which they have been issued in terms of Clause 9, sub-clauses (a) and (cc).

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) and (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences :—

*Sr. No., Licence No. & Date**Value in Rs.*

(1) P/S/1924186 dt. 28-11-79	Rs. 43,40,378/-	Main.
(2) P/S/1924402 dt. 20-12-79	Rs. 10,00,000/-	Split up.
(3) P/S/1924403 dt. 20-12-79	Rs. 10,00,000/-	Split up.
(4) P/S/1924404 dt. 20-12-79	Rs. 9,06,340/-	Split up.
(5) P/S/1924405 dt. 20-12-79	Rs. 5,00,000/-	Split up.
(6) P/S/1924406 dt. 20-12-79	Rs. 5,00,000/-	Split up.

issued in favour of M/s. Rajendra Industrial Corporation, Bombay-400015.

6. In case they are not satisfied with the above decisions, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66 as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 77/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

The 4th February, 1981

ORDER

No. F3/33/80/AU/ECA/BOM/681.—Licences Nos. P/S/1925577 dt. 12-7-80, P/S/1925533 dt. 20-6-80 and P/S/1924313 dt. 12-12-79 of the values of Rs. 74,32,442/-, Rs. 68,25,735/- and Rs. 19,54,500/- for import of items shown in App. 7 of AM.80, AM.81 Policy Book required by the unit for the end product were issued to M/s. Green Star Engineering Co., Ahmed Woollen Mill Compound, Ambarnath, Dist. Thana subject to the condition that the imported material will be utilised in the licence holder's factory.

2. Thereafter, a show cause notice No. F3/33/80/AU/ECA/BOM/4365 dated 24-12-80 was issued asking them to show cause within fifteen days as to why the said li-

3. In response to the aforesaid show cause notice, M/s. Rajendra Industrial Corporation, Bombay-400015 had not furnished any explanation or evidence in support of the charges framed against them in the said SCN. They have also not availed of personal hearings granted to them on 20-5-80 and 29-9-80.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that

(a) the firm have obtained licences by misrepresentation of fact and fraud as they failed to produce any evidence or any defence against the charges contained in the Show cause notice.

cences in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) on the ground that on inspection of their unit it was found that the unit was not working and no evidence of consumption of imported materials has been produced by them despite the opportunity given to them.

3. M/s. Green Star Engineering Co., Ambarnath, Dist. Thana have not so far replied to this office show cause notice No. F3/33/80/AU/ECA/BOM/4365 dated 24-12-80 nor have they availed of personal hearing granted to them on 6-1-81.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the firm have no defence to urge upon in reply to this office show cause notice dated 24-12-80 and that the aforesaid licences were obtained by them by misrepresentation of facts and fraud and that the same will not serve the purpose for which the licences in question were issued to them.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licences Nos. P/S/1925577 dt. 12-7-80 of Rs. 74,32,442/-, P/S/1925533 dt. 20-6-80 of Rs. 68,25,735/- and P/S/1924313 dt. 12-12-79 of Rs. 19,54,500/- issued in favour of M/s. Green Star Engineering Co., Ambarnath, Dist. Thana.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports and Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dt. 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays the procedure for filing an appeal.

The 10th February 1981

ORDER

No. F3/46/80/ECA/BOM/908.—A licence No. P/S/1924584 dated 6-2-80 of the value of Rs. 9,72,850/- for import of items shown in App. 7 of AM. 1980 Policy Book required by the unit for the end product was issued to M/s. Autocom Industries, Plot No. 122A Road No. 8, Wagle Industrial Estate, Thana-4, subject to the conditions that imported material will be utilised in the licence holder's factory.

2. Thereafter, a show cause notice No. F3/4680/ECA/BOM/2892 dated 23/29-10-80 was issued asking them to show cause within fifteen days as to why the said licence in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (b) on the ground that they made false declaration in part III of their licence application form dt. 27-10-79 for AM 1980 period at its column 4 (3) that they obtain AU licence for raw material components and consumable for 1978-79 licensing period and that their case does not fall under para 42 chapter 6 of Imports Policy 1979-80.

3. M/s. Autocom Industries, Thana-4 have not so far replied to this office show cause notice 23/29-10-80 nor have they availed of personal hearing granted to them on 17-11-80.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the firm have no defence to urge upon in reply to this office show cause notice dated 23/29-10-80 and that the aforesaid licence has been obtained by them by misrepresentation of facts and fraud.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (b) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/1924584 dated 6-2-80 for Rs. 9,72,850/- issued in favour of M/s. Autocom Industries, Plot No. 122A, Road No. 8, Wagle Industrial Estate, Thana-4.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports Control Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

The 20th February 1981

ORDER

No. 3/47/80/AU/ECA/BOM/1240.—A licence No. P/S/1924157 dated 26-11-79 of the value of Rs. 9,80,600/- for

import of items shown in App. 7 of AM 1980 Policy Book required by the unit for the end product was issued to M/s. Ajanata Engineering Works, Plot No. A 200, Road No. 29, Wagle Industrial Estate, Thana-4, subject to the condition that the goods imported against the aforesaid licence will be utilised in the licence holder's factory.

2. Thereafter, a show cause notice No. F3/47/80/AU/ECA/BOM/3144 dated 15-11-80 was issued asking them to show cause within fifteen days as to why the said licence in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (b) on the ground that they made a false declaration in part III of their licence application dated 29-10-79 at its column 4(3) submitted to this office for grant of import licence for AM. 1980 period that they obtained AU licence for raw material components and consumables for 1978-79 licensing period and that their case does not fall under para 42 chapter 6 of Import Policy 1979-80 on the basis of the above false declaration they obtained the aforesaid licence.

3. M/s. Ajanta Engineering Works, Thana-4 have not replied to the aforesaid show cause notice nor have they availed of personal hearing granted to them on 22-12-80.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that they have no defence to urge upon in reply to the said show cause notice and thus they obtained the said licence by misrepresentation of facts.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (b) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/1924157 dated 26-11-79 for Rs. 9,80,600/- issued in favour of M/s. Ajanta Engineering Works, Thana-4.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Imports Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

The 21st February 1981

ORDER

No. F8/39/80/ECA/Bom/1253.—A licence No. P/S/1924536 dated 28-1-80 of the value of Rs. 41,27,786/- for import of items shown in App. 7 of AM.80 Policy Book required by the unit for the end product was issued to M/s. Beekay Metal Fabrik Engineering Industries, 12-A, Chapei Bhimji Road, Anjirwadi, Bombay-400010, subject to the conditions that imported material will be utilised in the licence holder's factory for manufacture of the end product for which the licence in question was issued.

2. Thereafter, a show cause notice No. F8/39/80/ECA/Bom/324 dated 16-1-81 was issued asking them to show cause within fifteen days as to why the said licence in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (b) on the ground that the aforesaid licence has been obtained by them by misrepresentation of facts.

3. The aforesaid show cause notice from M/s. Beekay Metal fabrik Engineering Industries, Bombay has been received back from Post Office with remarks thereon 'Not found'. Even the personal hearing granted to them was not availed of by the party.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the above firm have no defence to put forward against the charges framed against them in the show cause notice dated 16-1-81. In other

words the aforesaid licence has been obtained by them by misrepresentation of facts.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (b) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/1924536 dated 28-1-80 for Rs. 41,27,786/- issued in favour of M/s. Beekay Metal Fabric Engineering Industries, Bombay-400010.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Imports Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

The 23rd February 1981

ORDER

No. F3/66/80/AU/ECA/BOM/1292.—A licence No. P/S/1925783 dated 5-8-80 of the value of Rs. 5,77,380/- for import of items shown in App. 7 of AM 81 Policy Book required by the unit for the end product was issued to M/s. Radha Sales Corporation, Khingini, Post Boo, Taluka Rajapur, Dist. Ratnagiri, subject to the conditions that imported material will be utilised in the licence holder's factory for manufacture of the end product for which the licence in question was issued.

2. Thereafter, a show cause notice No. F3/66/80/AU/ECA/Bom/4369 dated 24-12-80 was issued asking them to show cause within fifteen days as to why the said licence in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) on the ground that the aforesaid licence has been obtained by them by misrepresentation of facts and fraud and the same will not serve the purpose for which the licence in question has been granted.

3. The aforesaid show cause notice issued to M/s. Radha Sales Corporation Taluka-Rajapur Dist. Ratnagiri, has been received back from Post Office, even the personal hearing granted was not availed of by the party.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that the aforesaid firm is not in existence and the said licence has been obtained by them by misrepresentation of facts and fraud.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/1925783 dated 5-8-80 for Rs. 5,77,380 issued in favour of M/s. Radha Sales Corpn. Taluka Rajapur, Dist. Ratnagiri.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10 (2) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce, Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of order. Paragraph 265 of the Import Trade

Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

The 29th March 1981

ORDER

No. F8/24/80/AU/ECA/BOM/1796.—A licence No. P/S/1925999 dated 6-10-80 of the value of Rs. 42,79,162/- for import of items shown in App. 7 of AM.81 Policy Book required by the unit for the end product was issued to M/s. Rajendra Industrial Corpn., Acme Industrial Estate, Bunder Road, Seweree (East) subject to the conditions that the goods imported against the said licence will be utilised in the licence holder's factory.

2. Thereafter, a show cause notice No. F8/24/80/AU/ECA/BOM dated 31-1-81 was issued asking them to show cause within 15 days as to why the said licence in their favour should not be cancelled in terms of Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 on the ground that the aforesaid licence was obtained by them by misrepresentation of facts and fraud and that the same will not serve the purpose for which the licence in question has been granted.

3. M/s. Rajendra Industrial Corpn., Bombay have not so far replied to the said show cause notice dated 31-1-81 nor have they availed of personal hearing on 18-2-81 or on subsequent dates.

4. The undersigned has carefully examined the case and has come to the conclusion that they have no defence to urge upon in this case and that the aforesaid licence was obtained by them by misrepresentation of facts and fraud and that the same will not serve the purpose for which the licence in question has been granted to them.

5. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Clause 9, sub-clauses (a) & (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/1925999 dated 6-10-80 for Rs. 42,79,162/- issued in favour of M/s. Rajendra Industrial Corpn., Bombay.

6. In case they are not satisfied with the above decision, they may file an appeal under clause 10(2) of the Imports (Control) Order 1955, as amended, to the competent authority i.e. Additional Chief Controller of Imports & Exports, Udyog Bhavan, New Delhi as specified in Government of India, Ministry of Commerce Import Trade Control Notification No. 12/66 dated 10-11-66, as amended from time to time and as last amended vide Ministry of Commerce Notification No. 17/76 dated 20-8-76 within 45 days from the date of Order. Paragraph 265 of the Import Trade Control Hand Book of Rules and Procedure for 1980-81 lays down the procedure for filing an appeal.

D. K. KHOSLA,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 17th September 1981

No. F. 1-1/80-AGC(I).—In pursuance of the Ministry of Education and Culture Resolution No. F. 1-2/80-AGC (D.IV), dated the 4th August, 1980, reconstituting the Steering Committee for the Asian Games, 1982, Shri K. T. Satarawala, Coordinator for the Games, is nominated as a member of the Steering Committee with immediate effect.

S. SATHYAM, Jt. Secy.

New Delhi, the 29th September 1981

No. F. 18-6/81-U.5(Pt.).—Under Rules 3, 6 and 8 of the Memorandum of Association and Rules of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, Dr. M. N. Deshpande, Retired Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi is nominated as the Member of the Indian Council of Social Science Research with immediate effect for a period upto March 31, 1984.

M. R. KOLHATKAR, Jt. Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 7th September 1981

RESOLUTION

No. 47(16)/78-FC.—In para 2 of this Ministry's Resolutions No. FC-47(16)/78, dated the 20th May, 1978 No. FC-47(16)/78, dated the 15th March, 1979, and No. FC-47(5)/80, dated the 18th July, 1981, constituting the Ganga Flood Control Board, the following sub-para may be substituted for the existing sub-para 2 :—

"The Board will consist of the following :—

Chairman

1. The Union Minister of Irrigation.

Members

2. Union Minister of Finance.
3. Union Minister of State for Irrigation.
4. Union Minister of State for Railways.
5. Chief Minister of Bihar or his representative.
6. Chief Minister of UP or his representative.
7. Chief Minister of West Bengal or his representative.
8. Chief Minister of Haryana or his representative.
9. Chief Minister of Rajasthan or his representative.
10. Chief Minister of Madhya Pradesh or his representative.
11. Chief Minister of Himachal Pradesh or his representative.
12. Lt. Governor, Delhi Administration or his representative.

Member-Secretary

13. Chairman, Ganga Flood Control Commission.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the State Governments of Bihar, Haryana, Madhya Pradesh, Rajasthan, Uttar Pradesh, West Bengal, Himachal

Pradesh and Delhi Administration, and to the Union Ministries of Finance, Planning, Railways and Transport, Prime Minister's Office, Private and Military Secretary to the President and Comptroller and Auditor General of India.

N. L. SHANKARAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 23rd September 1981

RESOLUTION

No. ERBI/80/21/73.—In continuation of Ministry of Railways (Railways Board's) resolution No. ERBI/80/21/73 dated 5-2-1981 and 13-5-1981, the Government of India have nominated further the following as the member of Passenger Amenities Committee :

Shri Ajay Kumar Trivedi,
Mohalla Hamldganj,
Daltonganj,
District Palamau (Bihar).

HIMMAT SINGH, Secy. Railway Board &
ex-officio Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th September 1981

RESOLUTION

No. DGET-12/21/80-TC.—In pursuance of the recommendation made by the National Council for Training in Vocational Trades at its 18th meeting held on the 28th March, 1981 and accepted by the Government of India, it has been decided to rename the 'National Council for Training in Vocational Trades' set up vide the Government of India, Ministry of Labour (DGE&T) Resolution No. TR EP/24/56 dated 24th August, 1956 as 'National Council for Vocational Training'. The name 'National Council for Training in Vocational Trades' appearing in the above cited Resolution may therefore be substituted to read as 'National Council for Vocational Training'.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. S. BAROI, Dy. Secy.